पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने ओड़िशा दिवस का उद्घाटन किया

लखनऊः 01 अप्रैल, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज संत गाडगे प्रेक्षागृह, गोमती नगर में लखनऊ ओड़िया समाज द्वारा आयोजित ओड़िशा दिवस का उद्घाटन भगवान जगन्नाथ के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। इस अवसर पर लखनऊ ओड़िया समाज के अध्यक्ष श्री गोपबन्धु पटनायक सहित ओड़िया समाज के पदाधिकारी व अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कहा कि भारत विशाल देश है। इस विशाल देश में विभिन्न राज्यों की अलग-अलग भाषाएं, कला एवं संस्कृति हैं। सारी विविधता के बावजूद पूरे देश में एकता दिखाई देती है। संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की जननी है और हिन्दी बड़ी बेटी के समान है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक एकता हमारे देश की पहचान और सबसे बड़ी पूंजी है।

श्री नाईक ने कहा कि लखनऊ में ओड़िशा दिवस का आयोजन ओड़िशा की संस्कृति को जानने का अवसर है। ओड़िशा अपनी संस्कृति तथा ऐतिहासिक धरोहर जैसे गुफाएं, मंदिर, बौद्ध-विहार, भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा आदि के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे आयोजन से अपनत्व और भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। अपने प्रदेश का दिवस मनाना प्रदेश की गरिमा को बढ़ाने जैसा है।

राज्यपाल ने कहा कि जैसे लखनऊ में ओड़िशा दिवस मनाया जाता है उसी प्रकार मुंबई में 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस पिछले 25 सालों से मनाया जा रहा है। मुंबई में उत्तर प्रदेश के बहुत लोग रहते हैं। राज्यपाल ने कहा कि उनकी इच्छा है कि उत्तर प्रदेश में निवास करने वाले अन्य प्रदेशों के निवासी अपने राज्य का स्थापना दिवस मनायें तो एक सराहनीय पहल होगी।

राज्यपाल ने इस अवसर पर लखनऊ ओड़िया समाज की स्मारिका 'निर्माल्या' तथा अयोध्या शोध संस्थान के 'अयोध्या पंचांग' का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने जापानी नृत्यागंना सुश्री मसाको ओनो द्वारा प्रस्तुत ओड़िसी नृत्य को भी देखा और कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। समारोह में ओड़िशा से आये कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति दी।

अंजुम/ललित/राजभवन (127/3)

G.Pattanaik
Sri.RamNaik

G.Pattanaik
Sri.RamNaik